

18:01:2024

ਵਿਦੁਤ ਨੀਤੀ

ਤੁਹਾਨੂੰ ਛਾਡਾ ਜਾਂਤੇ ਹੋ ਵਾਡਾ ਵਾਡਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।



18:01:2024

राष्ट्रीय स्वबर



न्यूज फटाफट

जीत

झारखंड ने उड़ीसा को 9 विकेट से हराया



संबलपुर : उड़ीसा में सीके नायदू अंडर 23 झारखंड और संबलपुर : उड़ीसा के बीच चल रहे मैच में झारखंड ने उड़ीसा को 9 विकेट से हरा दिया है। इस मैच में उड़ीसा पहले बैटिंग करते हुए 168 रनों पर ही आउट हो गई। जिसमें साहिल राज पांच विकेट, जितिन पांडे दो विकेट, ओम सिंह, हर्ष राज, शुभ शर्मा एक-एक विकेट प्राप्त किया। जबाब में झारखंड की टीम ने 487 रनों तीन विकेट पर पारी घोषित किया। जिसमें एक ही पारी में दो बल्लेबाज रोटिंबिन मिंज 201 रन, सत्य सेतु 203 रन बनाने का रिकॉर्ड भी दर्ज किया। शिखर मोहन शनदार 56 रन बनाए। दूसरी पारी में उड़ीसा के टीम 361 रन ही बना पाई। दूसरी पारी की मनीषी पांच विकेट जितन पांडे दो विकेट, हर्ष राज तीन विकेट प्राप्त किया। जिससे झारखंड को केवल जीतने के लिए 42 रन का ही लक्ष्य मिला जिसे झारखंड ने एक विकेट गंवाकर 9 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इस मैच में झारखंड कुल 6 अंक अर्जित किया।

नासिर हुसैन पर दो साल का प्रतिबंध



दुबई: इंटरनेशनल क्रिकेट

काउंसिल ने बांगलादेशी

क्रिकेटर नासिर हुसैन पर 2

साल का प्रतिबंध लगाया है।

इतना ही नहीं, उन्हें 6 महीने के

लिए सस्पेंड भी किया गया है।

32 साल के नासिर हुसैन पर

काउंसिल ने 2023 में एटी

करशन कोड के उल्लंघन का

आरोप लगाया था, जो सही

गए। उसके बाद नासिर ने तीनों

आरोप स्वीकार्य भी किए। अब

वे 7 अप्रैल 2025 तक के लिए

बैन रहेंगे। बांगलादेशी

ऑलराइंडर नासिर को किसी

अन्यजन व्यक्ति द्वारा गिरफ्त दिया गया था। इसके लिए उनसे खास

मांग भी की गई थी। हुसैन ने इसकी जानकारी न ही बोर्ड को और

ना ही एटी करशन ऑफिसर को भी थी। इतना नहीं नहीं, जाच में

भी उन्होंने अधिकारियों का साथ नहीं दिया था। आई-फोन गिरफ्त

मिला, लेकिन उसके बारे में नहीं बताया नासिर को करब 750

अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत का आई फोन गिरफ्त मिला था,

लेकिन उन्होंने इसकी जानकारी एटी करशन ऑफिशर को तूरत

नहीं दी और बाद में इस बारे में बताने में नाकाम रहे। यह सहता के अनुच्छेद 2.4.3 का उल्लंघन है। एटी करशन ऑफिशर को विवरण नहीं दे पाया नासिर ने एटी करशन ऑफिशर को किसी भी अन्यजन व्यक्ति द्वारा गिरफ्त दिया गया था। इसके लिए उनसे खास मांग भी की गई थी। हुसैन ने इसकी जानकारी न ही बोर्ड को और ना ही एटी करशन ऑफिसर को भी थी। इतना नहीं नहीं, जाच में भी उन्होंने अधिकारियों का साथ नहीं दिया था। आई-फोन गिरफ्त मिला, लेकिन उसके बारे में नहीं बताया नासिर को करब 750 अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत का आई फोन गिरफ्त मिला था, लेकिन उन्होंने इसकी जानकारी एटी करशन ऑफिशर को तूरत नहीं दी और बाद में इस बारे में बताने में नाकाम रहे। यह सहता के अनुच्छेद 2.4.3 का उल्लंघन है। एटी करशन ऑफिशर को विवरण नहीं दे पाया नासिर ने एटी करशन ऑफिशर को किसी भी अन्यजन व्यक्ति द्वारा गिरफ्त दिया गया था। इसके लिए उनसे खास मांग भी की गई थी। हुसैन ने इसकी जानकारी न ही बोर्ड को और ना ही एटी करशन ऑफिशर को भी थी। इतना नहीं नहीं, जाच में भी उन्होंने अधिकारियों का साथ नहीं दिया था। आई-फोन गिरफ्त मिला, लेकिन उसके बारे में नहीं बताया नासिर को करब 750 अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत का आई फोन गिरफ्त मिला था, लेकिन उन्होंने इसकी जानकारी एटी करशन ऑफिशर को तूरत नहीं दी और बाद में इस बारे में बताने में नाकाम रहे। यह सहता के अनुच्छेद 2.4.3 का उल्लंघन है। एटी करशन ऑफिशर को विवरण नहीं दे पाया नासिर ने एटी करशन ऑफिशर को किसी भी अन्यजन व्यक्ति द्वारा गिरफ्त दिया गया था। जाच में सहयोग करने में बिना किसी ठोस कारण के विफल रहे या इनकार कर दिया। जाच अधिकारी द्वारा मांगी गई जानकारी देने में नाकाम रहे, जो सहिता के अनुच्छेद 2.4.6 और अनुच्छेद 4.3 का उल्लंघन है।

जग्मिदिन के अवसर पर

79 वर्ष के हुये जावेद अख्तर



एजेंसियां

मुंबई: बॉलीवुड के जननेमे

शावर और गीतकार जावेद अख्तर

आज 79 वर्ष के हो गये। 17

जनवरी 1945 को शायर-गीतकार

जां निसार अख्तर के घर जब एक

लड़के ने जन्म लिया तो उसका

नाम रखा गया "जादू"। यह नाम

जां निसार अख्तर के ही एक शेर

की एक लंबा लंबा किसी

जादू का फसाना होगा।" से लिया

गया है। बाद में जां निसार के वही

पुर्ण जादू "जावेद अख्तर" के नाम

से फिल्म इंडस्ट्री में विख्यात हुये।

बचपन से ही शायरी से जावेद

अख्तर का गहरा रिश्ता रहा।

उनके घर शरो-शायरी की

महानीले सजा करती थी वहने के

बढ़े चाव से मुना बढ़े रहे। उन्होंने

जिसीकों के ऊरात-चाढ़ाव को बहुत

कीरीब से देखा था इसलिये उनकी

शायरी में जिदी के फसाने को

बड़ी शिद्दत से महसुस किया जा

सकता है। जावेद अख्तर के गीतों

की यह खूबी रही है कि वह

अपनी बात बड़ी आसानी से दुर्संय

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते हैं। उनके जम्मे के

मुबई वहने पर जावेद अख्तर को

को समझते ह

